भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 02.04.2019

कुआलालम्पुर के में 29 अप्रैल से 2 मई तक होगी शेल इको-मैराथन- एशिया 2019 प्रतियोगिता, आईआईटी बीएचयू के छात्रों ने बनाई है कार

चेन्नई के बाद अब मलेशिया में धूम मचाएगी इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप कार

वाराणसी | निज संवाददाता

अच्छी खबर

- पिछले वर्ष चेन्नई में हुई शेल इको-मैराथन इंडिया-18 में कार ने जीते थे तीन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार
- 27 अप्रैल को कुआलालम्पुर पहुंचेगी आईआईटी बीएचयू की टीम, अंडर ग्रेजुएट छात्रों ने तैयार की है कार

इलेक्ट्रानिक प्रोटोटाइप कार।

आईआईटी बीएचयू के छात्रों की ओर से विकसित इलेक्ट्रानिक प्रोटोटाइप कार 29 अप्रैल से 2 मई तक कुआलालम्पुर (मलेशिया) के सेपांग इंटरनेशनल सर्किट में होने वाली शेल इको-मैराथन, एशिया 2019 प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

पिछले वर्ष चेन्नई में हुई शेल इको मैराथन (इंडिया)-18 प्रतियोगिता में आईआईटी बीएचयू के सेंटर फॉर एनर्जी एंड रिसोर्स डेवलपमेंट (सीईआरडी) के अंतर्गत शोध कर रहे छात्रों की टीम 'अवेरेरा' ने अपना परचम लहराया था। संस्थान की टीम 27 अप्रैल को मलेशिया पहुंचेगी।

सीईआरडी के समन्वयक प्रोफेसर एसएसके सिन्हा ने बताया कि सेंटर फॉर एनर्जी एंड रिसोर्सेज डेवलपमेंट के तहत काम करने वाली आईआईटी बीएचयू की एक अंडरग्रेजुएट ऑटोमोबाइल रिसर्च टीम अवरेरा अल्ट्रा-एनर्जी एफिशिएंट इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को डिजाइन और डेवलप करने के लिए इनोवेटिव टेक्नॉलजीज को काम में ले रही है।

टीम में संस्थान के विभिन्न विषयों के 15 सदस्य हैं। अब तक वे अपने वाहन को भारत के सबसे अधिक ऊर्जा कुशल इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में स्थापित कर चुके हैं। टीम एक वार्षिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता शेल इको-मैराथन, एशिया में भाग लेने जा रही है। यह एक पैन-कॉन्टिनेंट एनर्जी एफिशिएंसी प्रतियोगिता है, जो कॉलेजों में विद्यार्थियों को एनर्जी एफिशिएंट व्हीकल डेवलप करने के लिए चुनौती देता है। अब तक, टीम ने चार प्रोटोटाइप विकसित किए हैं। उन्होंने बताया कि टीम अवरेरा की पहली जीत शेल इको-मैराथन एशिया के 2017 संस्करण में रही, जहां टीम ने 131.8 किमी/किलो वॉट ऑवर की दक्षता दर्ज की, जो एशिया में 11 वें स्थान का दावा करती है। टीम ने शेल इको-मैराथन एशिया 2018 में शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जिसमें 150 प्रतिशत से अधिक सुधार के साथ 349.6 किमी/किलो वॉट ऑवर की दक्षता हासिल करने के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। दिसंबर 2018 में चेन्नई में आयोजित शेल इको-मैराथन, इंडिया के चुनौतीपूर्ण कार्यक्रम में टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 4 में से 3 पुरस्कार जीते थे।